भारत सरकार

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 942

मंगलवार, दिनांक 09 फरवरी, 2021 को उत्तर दिए जाने हेतु

ओडिशा में नवीकरणीय विद्युत परियोजनाएं

942. श्री अश्वनी वैष्णवः क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या ओडिशा में फ्लोटिंग (तैरता) सौर परियोजनाएं स्थापित करने का कोई प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन में अब तक कितनी प्रगति हुई है; और

(ग) वर्ष 2021 और 2022 में ओडिशा में अन्य गैर-परंपरागत विद्युत परियोजनाओं को स्थापित करने के लिए सरकार के क्या प्रस्ताव हैं?

उत्तर

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा, विद्युत राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (श्री आर.के. सिंह)

(क) और (ख): (i) ओडिशा में 500 मेगावाट फ्लोटिंग सौर परियोजनाओं के विकास के लिए ग्रीन एनर्जी डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ ओडिशा लि. (जीईडीसीओएल) और एनएचपीसी लि. के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित किया गया है।

(ii) 'सौर पार्कों और अल्ट्रा मेगा सौर विद्युत परियोजनाओं के विकास' के लिए योजना के तहत नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने रेंगाली में एनएचपीसी लि. और जीईडीसीओएल की एक संयुक्त उद्यम कंपनी द्वारा 100 मेगावाट फ्लोटिंग सौर परियोजना के विकास को सिद्धान्ततः अनुमोदन प्रदान किया है।

(iii) भारतीय सौर ऊर्जा निगम लि. (सेकी) को ओडिशा के हीराकुंड रिजर्वायर में 40 मेगावाट फ्लोटिंग सौर पीवी परियोजना की स्थापना के लिए ओडिशा सरकार से सिद्धान्ततः अनुमोदन और अनापत्ति प्रमाणपत्र प्राप्त हो गया है।

(ग) नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने कोणार्क सूर्य मंदिर एवं कोणार्क कस्बे के 100 प्रतिशत सौरीकरण के लिए ग्रिड संबद्ध सौर परियोजना और विभिन्न ऑफ ग्रिड अनुप्रयोगों की स्थापना के लिए एक योजना जारी की है।

उपरोक्त 100 मेगावाट की फ्लोटिंग सौर परियोजना के अलावा, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने भी "सौर पार्कों और अल्ट्रा मेगा सौर विद्युत परियोजनाओं के विकास" के लिए एमएनआरई की योजना के तहत एनएचपीसी लि. द्वारा स्थापित की जाने वाली 100 मेगावाट और 40 मेगावाट क्षमता के दो सौर पार्कों के लिए सिद्धान्ततः अनुमोदन प्रदान कर दिया है।

*****